यूपी में डाटा सेंटर का ईकोसिस्टम बनेगा : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: 'एआइ इन ट्रांसफार्मिंग हेल्थकेयर' कान्फ्रेंस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी अब दुनिया को तकनीक का माडल देने लगा है। उन्होंने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए कहा कि सभी जिलों में आइसीयू बेड, आक्सीजन, दवाएं व अन्य उपकरण उपलब्ध कराए गए। सीएम ने कहा कि यूपी में डाटा सेंटर ईकोसिस्टम बनेगा। टेलीमेडिसिन सिस्टम में बड़ा सुधार हुआ है। मातृ और शिशु मृत्यु दर घटकर अब राष्ट्रीय औसत के आसपास पहुंच गई है।

होटल सेंट्रम में स्वास्थ्य और आइटी विभागों की ओर से सोमवार को आयोजित इस दो दिनी कान्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे योगी ने कहा कि प्रदेश में अब 81 मेडिकल कालेज और दो एम्स संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआइ शासन को रिएक्टिव से प्रोएक्टिव बनाने का माध्यम बन रहा है, लेकिन एआइ मानव द्वारा संचालित होना चाहिए, न कि वह मानव को संचालित करने लगे।

कहा कि प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क, फार्मा पार्क, लखनऊ में मेडिटेक सेंटर आफ एक्सिलेंस, गौतम बुद्ध नगर में एआइ एंड इनोवेशन आधारित उद्यमिता केंद्र, आइआइटी कानपुर में सेंटर आफ एक्सिलेंस और लखनऊ को एआइ सिटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है।

पूरी खबर पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

एआइ में भारत की ऊंची छलांग डीपफेक बड़ा खतरा : जितिन प्रसाद

केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि रिसर्च और स्टेनफोर्ड की रिपोर्ट बताती है कि भारत एआइ पेनेट्रेशन में नंबर एक स्थान पर पहुंच गया है, लेकिन साइबर थ्रेट और डीपफेक का खतरा बना है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है। एआइ सर्विस में भारत अब दुनियाभर को सर्विस उपलब्ध कराने लगा है। विश्व में भारत का डंका बजेगा। कहा कि यूपी इसमें बड़ी भूमिका निभाएगा। 15 साल के लिए नीति बनाई जा रही है। अगले महीने दिल्ली में होने वाली ग्लोबल एआइ समिट भारत के लिए गर्व की बात है। तकनीक का अगला केंद्र सिलिकान वैली नहीं उप्र के टियर-दो और टियर-तीन शहर होंगे।

एआइ से जुड़ेंगे प्रदेश के सभी मेडिकल कालेज : पाठक

एआइ हेल्थ समिट में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भूमिका इसलिए अहम है क्योंकि जनसंख्या के लिहाज से यह दुनिया के छठे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। यूपी में जब योजना सफल होती है तो इसे पूरे देश के बड़े हिस्से की सफलता माना जाता है। कहा कि एआइ को पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए सभी मेडिकल कालेजों को आपस में जोड़ा जा रहा है।

एआइ परिदृश्य में यूपी की बड़ी भूमिका : विनोद कुमार

नीति आयोग के सदस्य विनोद कुमार पाल ने कहा कि 2018-19 में एआइ स्ट्रेटेजी विकसित की गई और पिछले दो वर्षों में फ्रंटियर हब के जरिये एआइ, क्वांटम इकोनामी, कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार जैसे क्षेत्रों में काम हुआ है। 2035 तक भारत वैश्विक एआइ परिदृश्य में 10 से 15 प्रतिशत योगदान देगा और कुल एआइ अवसर 1.1 से 1.4 ट्रिलियन डालर तक हो सकते हैं। इसमें उप्र की बड़ी हिस्सेदारी होगी।

एआइ को ही माना जा रहा अगला बड़ा परिवर्तन : सिद्धार्थ भाटिया

पुच एआइ के को-फाउंडर व सीइओ सिद्धार्थ भाटिया ने कहा कि एआइ को ही अगला बड़ा परिवर्तन माना जा रहा है। एआइ रोजगार छीनने का नहीं, बल्कि रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम है। एआइ का उपयोग समय की आवश्यकता है और जो इससे स्वयं को अनभिज्ञ रखेगा, वह पीछे रह जाएगा। एआइ को लेकर जिस प्रकार नीति निर्माण और क्रियान्वयन पर कार्य हुआ है, उससे आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। बीते कुछ वर्षों में भारत में एआइ का उपयोग तेजी से बढ़ा है। हालांकि, यह आवश्यक है कि भारत का डाटा भारत में ही सुरक्षित रहे। इससे एआइ के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। बताया कि उनकी टीम भारत में एआइ को इस तरह सुलभ बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जिससे कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसान, गृहिणी, पेशेवर या छात्र हो, बिना किसी एप के काल या वाट्सएप संदेश के माध्यम से समाधान प्राप्त कर सके। उन्होंने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की।